

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-2

संख्या: प०८८१ /VII-II/390-उद्योग/2008

देहरादून: दिनांक: 5th फरवरी, 2009

अधिसूचना

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 387/697-उ०नि०/प०एस्०/आई०डी०/०६ दिनांक 20 दिसम्बर, 2006 द्वारा मैगा प्रोजेक्ट्स की स्थापना हेतु विशेष औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नोति-निर्देशों के अधीन उद्योग निदेशालय के संरक्षित पत्र संख्या 4133/उ०नि०(पॉच)-मैगा प्रोजेक्ट/2008-09 दिनांक 22 दिसम्बर, 2008 के सन्दर्भ में मै० बेरोसिल ग्लास वर्क्स लि० के पक्ष में ग्राम नल्हेडी, देहवीरान तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार में शासनादेश संख्या: 403/औ०वि०/०7-उद्योग/2007 दिनांक 27 दिसम्बर, 2006 व संख्या: 6018/सात-2/312-उद्योग/2007 दिनांक 19 दिसम्बर, 2007 से अधिसूचित निम्न तालिका में अंकित खसरा संख्याओं को निरस्त करते हुये मै० एम०जे० लोजिस्टिक सर्विसेज लि० के पक्ष में कय अनुबन्धित कुल 12,548 एकड़ भूमि को निम्नलिखित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय विशेष औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विनियमित/अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

| राजस्व ग्राग का नाम | खसरा नम्बर | भूमि का क्षेत्रफल (एकड़) |
|---------------------------------------|------------------|--------------------------|
| ग्राम-नल्हेडी, देहवीरान तहसील रुड़की, | 219 से 223 व 225 | 12,548 |

2- उक्त तालिका में अंकित खसरा संख्या भारत सरकार की अधिसूचना संख्या: 50/2003-के०उ०शुल्क दिनांक 10 जून, 2003 के Annexure-II में जिला हरिद्वार के अन्तर्गत Category-B Proposed Industrial Estates/ Area के रूप में ग्राम नल्हेडी देहवीरान, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार के सम्मुख अन्तर्गत अधिसूचित है। इस अधिसूचित भूमि पर स्थापित होने वाले नयी औद्योगिक इकाईयाँ (Mega Projects) (नकारात्मक सूची के उद्योगों को छोड़कर) को विशेष प्रोत्साहन पैकेज का लाभ अर्हता पूर्ण करने पर अनुमन्य होगा।

3- GIDCR-2005 के पृष्ठ संख्या-34 से 37 में औद्योगिक आस्थान के विकास के लिये दिये गये मानकों विधियों/उपविधियों व उपबन्धों का पालन करना होगा।

4- इस विशेष औद्योगिक आस्थान की भूमि, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी द्वारा कय अनुबन्धित है। उक्त आस्थान के नियोजित विकास हेतु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व नियन्त्रित भूमि कय विलेख पत्र (Sale Deed) निष्पादित कराकर GIDCR-2005 के उपबन्धों के अनुरूप (i) कृषि भू-उपयोग से औद्योगिक भू-उपयोग परिपर्तन सुनिश्चित कराना होगा और (ii) तत्पश्चात् औद्योगिक आस्थान तथा आस्थान में स्थापित होने वाली औद्योगिक इकाईयाँ के भवन मानचित्र सक्षम प्राधिकारी, उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कराना होगा।

(5) कय की जाने वाली भूमि का उपयोग Industrial Logistics Centre including cold-chain management and Inland Container Depot (ICD)/Containers Freight Station (CFS) के निर्माण के लिए मैगा प्रोजेक्ट की स्थापना हेतु ही किया जायेगा।

6- विशेष औद्योगिक आस्थान के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं का दायित्व, आस्थान के प्रवर्तक कम्पनी का होगा। आपटी इकाईयाँ को आवंटन से पूर्व आस्थान में उपलब्ध करायी जाने वाली अवस्थापना सुविधाओं तथा अन्य के सख्त में स्पष्ट सभी सूचनायें उपलब्ध करायी जायेंगी।

7- आस्थान को विकसित करने के लिये विभिन्न विभागों जैसे वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन आदि से वांछित विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकतायें अपेक्षित होंगी, वह प्रयत्नक/कम्पनी द्वारा स्वयं पूर्ण की जायगी।

8- आवेदक इकाई उद्योग स्थापना से पूर्व यह अण्डरटेकिंग लिखित में देगी कि आस्थान में उद्योग स्थापना के उपरांत 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जायगा तथा भूमि/भूखण्ड की (Sale Deed)/लैंड डीड में भी इस शर्त को उल्लिखित किया जायगा।

9- विशेष औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निर्देशक, उद्योग, उत्तराखण्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों तथा प्रदेश की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयां, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है अथवा जो भारत सरकार की नकारात्मक सूची में सम्मिलित है, की स्थापना औद्योगिक आस्थान में नहीं की जायेगी।

10- उपरोक्त उल्लिखित प्रतीबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा अन्य किसी कारणों से जिसे शासन उचित समझता हो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से यह अधिसूचना (नोटिफिकेशन) निरस्त किया जा सकता है।

(पी0सी0शर्मा)
प्रमुख सचिव

पृष्ठोक्त संख्या: ५८४ / (१) / VII-II-390-उद्योग/2008 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निर्देशक, उद्योग, उत्तराखण्ड।
2. सचिव, ग० मुख्यमंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को अपर मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
5. संयुक्त सचिव, गणितीय एवं उद्योग मंत्रालय, (औद्योगिक नीति संवर्द्धन विभाग) उद्योग भवन, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निर्देशक, उत्तराखण्ड राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
7. मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, देहरादून।
8. अध्यक्ष, समस्त उद्योग संघ, उत्तराखण्ड।
9. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
10. प्रबन्ध निर्देशक, सिडकुल, देहरादून।
11. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण परिषद, देहरादून।
13. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, रुड़की (हरिद्वार)।
14. गै० एम०जे०तो०जैस्टिक सचिव० सि० ए-227, इण्डस्ट्रियल एरिया, ओखला, नई दिल्ली।
15. NIC Uttarakhand : सचिवालय परिसर को इस अनुरोध के साथ कि उपर अधिसूचना को वेबसाईट पर प्रसारित करने का कष्ट करे।
16. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी०सी०शर्मा)
प्रमुख सचिव।